International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 11 Issue 3, May-June, 2023, Impact Factor: 7.326

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जी–20 संगठन की भूमिका का समीक्षात्मक अध्ययन

दीपक कुमार[1], अक्षय कुमार[2], रितु[3]

[1]पीएचडी शोद्यार्थी (राजनीतिक विज्ञान विभाग) बाबा मस्तनाथ वि0 वि0 रोहतक
[2]पीएचडी शोद्यार्थी (राजनीतिक विज्ञान विभाग) बाबा मस्तनाथ वि0 वि0 रोहतक
[3]पी0जी0टी0 राजनीतिक विज्ञान एवं पीएचडी शोद्यार्थी (राजनीतिक विज्ञान विभाग) बाबा मस्तनाथ वि0 वि0 रोहतक

साराशं

जी–20 (ग्रुप ऑफ ट्वेंटी) एक अंतरराष्ट्रीय मंच है जो दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर चर्चा और समन्वय करने के लिए एक साथ लाता है। यह सार वर्तमान संदर्भ में जी–20 संगठन की भूमिका का एक सिंहावलोकन प्रदान करता है।वर्तमान संदर्भ में, जी–20 वैश्विक चुनौतियों को दूर करने और सतत और समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक नीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विकसित और विकासशील दोनों अर्थव्यवस्थाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले एक मंच के रूप में, जी–20 अपने सदस्य देशों के बीच संवाद, सहयोग और समन्वय के लिए एक मंच प्रदान करता है। जी–20 के प्रमुख कार्यों में से एक अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देना और वैश्विक आर्थिक शासन से संबंधित मुद्दों का समाधान करना है। संगठन व्यापक आर्थिक समन्वय, वित्तीय विनियमन और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के सुधार की सुविधा पर ध्यान केंद्रित करता है। 2008 के वित्तीय संकट जैसे आर्थिक संकट के समय में, जी–20 बाजारों को स्थिर करने और आर्थिक सुधार को प्रोत्साहित करने के लिए समन्वित प्रतिक्रिया तैयार करने में और भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जी–20 व्यापार और निवेश उदारीकरण को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सदस्य देश व्यापार की बाधाओं को कम करने और एक खुली और पारदर्शी वैश्विक व्यापार प्रणाली को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं। आर्थिक विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए बाजार पहुंच, बौद्धिक संपदा अधिकार और निवेश सुविधा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए संगठन के प्रयास महत्वपूर्ण हैं।हाल के वर्षों में, जी–20 ने सतत विकास और जलवायु परिवर्तन सहित वैश्विक चुनौतियों के समाधान के महत्व को तेजी से पहचाना है। संगठन सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने, पेरिस समझौते के कार्यान्वयन का समर्थन करने और स्वच्छ और कुशल ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। संवाद और सहयोग के माध्यम से, जी–20 पर्यावरणीय स्थिरता के साथ आर्थिक विकास को संतुलित करने वाली रणनीति विकसित करना चाहता है।इसके अलावा, जी–20 अंतरराष्ट्रीय संगठनों, नागरिक समाज और व्यापार समुदायों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ जुड़ता है। यह व्यापक–आधारित जुड़ाव यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि विविध दृष्टिकोणों पर विचार किया जाता है, और नीतियां समावेशी हैं और वैश्विक समुदाय का प्रतिनिधित्व करती हैं।

शब्द कुंजी–अंतरराष्ट्रीय, अर्थव्यवस्था, प्रतिनिधित्व, वित्तीय विनियमन, प्रतिक्रिया, सतत विकास, जलवायु परिवर्तन, अंतरराष्ट्रीय संगठन

परिचय

द ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी–20) एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है जिसमें 19 देश और यूरोपीय संघ शामिल हैं। इसकी स्थापना 1999 में 1990 के दशक के अंत में वित्तीय संकट के जवाब में की गई थी, जिसका उद्देश्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग बढ़ाकर वैश्विक आर्थिक स्थिरता और विकास को बढ़ावा देना था। जी–20 की उत्पत्ति का पता जी–7 (सात का समूह) से लगाया जा सकता है, जिसका गठन 1975 में दुनिया के प्रमुख औद्योगिक राष्ट्रों की एक अनौपचारिक सभा के रूप में किया गया था। अधिक समावेशी और प्रतिनिधि मंच की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, जी–7 ने प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को 1990 के दशक के अंत में अपनी बैठकों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। इसने ळ–20 में संक्रमण को चिह्नित किया। जी–20 की उद्घाटन बैठक दिसंबर 1999 में बर्लिन, जर्मनी में आयोजित की गई थी, जिसमें इसके

सदस्य देशों के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नर एक साथ आए थे। इन वर्षों में, ळ–20 ने अपने दायरे और प्रभाव का विस्तार किया, आर्थिक नीतियों पर चर्चा और समन्वय के लिए एक उच्च–स्तरीय मंच के रूप में विकसित हुआ।

जी–20 सदस्य देश वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 85 प्रतिशत और दुनिया की दो–तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। सदस्य देशों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।

जी–20 गैर–बाध्यकारी सहयोग के सिद्धांत पर काम करता है, जिसमें आम सहमति से निर्णय लिए जाते हैं। यह व्यापक आर्थिक समन्वय, वित्तीय विनियमन, व्यापार, निवेश, विकास और जलवायु परिवर्तन सहित वैश्विक आर्थिक मुद्दों की एक श्रृंखला पर संवाद और सहयोग के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

अपने पूरे इतिहास में, जी–20 ने वैश्विक आर्थिक नीतियों को आकार देने और आर्थिक संकटों का जवाब देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उदाहरण के लिए, 2008 के वित्तीय संकट के दौरान, जी–20 ने वित्तीय बाजारों को स्थिर करने, विकास को बहाल करने और वैश्विक वित्तीय प्रणाली में सुधार करने के लिए समन्वित कार्रवाई की। जी–20 का प्रभाव और महत्व समय के साथ बढ़ा है, क्योंकि यह प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को विचारों का आदान–प्रदान करने, नीतियों का समन्वय करने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इसकी बैठकें नेताओं, वित्त मंत्रियों, केंद्रीय बैंक के गवर्नरों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों को एक साथ लाती हैं, जिससे एक व्यापक–आधारित जुड़ाव और विविध दृष्टिकोण सुनिश्चित होते हैं।प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच अधिक समावेशिता और सहयोग की आवश्यकता के जवाब में जी–20 संगठन उभरा। इसका इतिहास औद्योगिक राष्ट्रों के एक छोटे समूह से प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के एक विविध मंच तक इसके विकास को प्रदर्शित करता है। आज, जी–20 वैश्विक आर्थिक नीतियों को आकार देने, स्थिरता को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रपत्र के उद्देश्य–
वर्तमान संदर्भ में जी–20 संगठन का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और नीति समन्वय के माध्यम से वैश्विक आर्थिक स्थिरता, सतत विकास और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। जी–20 का उद्देश्य आर्थिक संकट, व्यापार तनाव, वित्तीय विनियमन, जलवायु परिवर्तन और गरीबी में कमी जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करना है।

शोध प्रपत्र के उदेश्य इस प्रकार है–
नीति समन्वय और व्यापक आर्थिक सहयोग के माध्यम से वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देने और वित्तीय संकटों को कम करने में जी–20 की प्रभावशीलता का आकलन करें।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश को सुविधाजनक बनाने में जी–20 की भूमिका का मूल्यांकन करें, खुले, समावेशी और निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देने के प्रयासों और वैश्विक आर्थिक विकास पर इसके प्रभाव की जांच करें।

सतत विकास लक्ष्यों के प्रति जी–20 की प्रतिबद्धता की जांच करें और स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और गरीबी में कमी को बढ़ावा देने सहित आर्थिक नीतियों में स्थिरता सिद्धांतों को एकीकृत करने के अपने प्रयासों का विश्लेषण करें।

वैश्विक वित्तीय प्रणालियों में वित्तीय स्थिरता, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने पर इसके प्रभाव का विश्लेषण करते हुए, वित्तीय विनियमन और निरीक्षण को मजबूत करने में जी–20 की भूमिका की जांच करें।

COVID–19 महामारी सहित जलवायु परिवर्तन और सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों जैसी वैश्विक चुनौतियों के लिए जी–20 की प्रतिक्रिया का आकलन करें और अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के समन्वय और संसाधन जुटाने में इसकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करें।

वैश्विक आर्थिक शासन–जी–20 वैश्विक आर्थिक शासन के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करता है। जैसा कि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं एक मंच के तहत इकट्ठा होती हैं, वे नीतियों का समन्वय कर सकते हैं, विचारों का

आदान–प्रदान कर सकते हैं और उभरते आर्थिक मुद्दों को संबोधित कर सकते हैं। परस्पर जुड़ी हुई वैश्विक अर्थव्यवस्था में, संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने की जी–20 की क्षमता स्थिरता और सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

संकट प्रबंधन– जी–20 आर्थिक संकटों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसने 2008 के वित्तीय संकट के दौरान बाजारों को स्थिर करने और विश्वास बहाल करने के प्रयासों को समन्वयित करके अपनी प्रभावशीलता का प्रदर्शन किया। वर्तमान संदर्भ में, जैसा कि दुनिया COVID–19 महामारी और उसके आर्थिक नतीजों जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है, जी–20 की सामूहिक कार्रवाई को गति देने और समन्वित प्रतिक्रिया तैयार करने की क्षमता वैश्विक सुधार के लिए महत्वपूर्ण है।

व्यापार और निवेश उदारीकरण– जी–20 व्यापार और निवेश उदारीकरण को बढ़ावा देता है। बाजार पहुंच, बौद्धिक संपदा अधिकार और निवेश सुगमता पर चर्चा को सुगम बनाकर, जी–20 अधिक खुले और पारदर्शी वैश्विक व्यापार प्रणाली में योगदान देता है। बढ़ते संरक्षणवाद और व्यापार तनाव के समय में, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और अवसर पैदा करने के लिए मुक्त और निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देने के लिए जी–20 की प्रतिबद्धता आवश्यक है।

सतत विकास और जलवायु परिवर्तन– जी –20 सतत विकास और जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के महत्व को पहचानता है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों और पेरिस समझौते के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से, जी–20 जलवायु परिवर्तन को कम करने और पर्यावरण की दृष्टि से स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने के वैश्विक प्रयासों में योगदान देता है। संसाधनों को जुटाने, स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने और आर्थिक नीतियों में स्थिरता को एकीकृत करने में इसका प्रभाव एक स्थायी और लचीला भविष्य प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है।

व्यापक–आधारित जुड़ाव–जी–20 अंतरराष्ट्रीय संगठनों, नागरिक समाज और व्यापार समुदाय सहित विभिन्न हितधारकों के साथ जुड़ता है। यह व्यापक–आधारित जुड़ाव सुनिश्चित करता है कि विविध दृष्टिकोणों पर विचार किया जाए, समावेशिता को बढ़ावा दिया जाए और हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला के हितों का प्रतिनिधित्व किया जाए। विभिन्न अभिनेताओं के बीच सहयोग और सहयोग को बढ़ावा देने की जी–20 की क्षमता वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में इसकी प्रासंगिकता और प्रभावशीलता को मजबूत करती है।

आर्थिक शासन और वित्तीय स्थिरता–
आर्थिक शासन और वित्तीय स्थिरता स्थायी आर्थिक विकास और वैश्विक वित्तीय प्रणालियों के सुचारू संचालन के लिए महत्वपूर्ण तत्व हैं–जी–20 सदस्य देशों के बीच अपने समन्वित प्रयासों के माध्यम से आर्थिक शासन और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है

व्यापक आर्थिक समन्वय जी–20 के कार्य का एक प्रमुख पहलू है– सदस्य देश आर्थिक डेटा को बदलते हैं, आर्थिक विश्लेषण करते हैं, और वैश्विक असंतुलन को दूर करने और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत चर्चाओं में शामिल होते हैं। संवाद और समन्वय के माध्यम से, जी–20 का उद्देश्य ई–परिवर्तन दरों में अत्यधिक अस्थिरता को रोकना है, स्थिर मौद्रिक स्थितियों को बढ़ावा देना, और संतुलित राजकोषीय नीतियों को बढ़ावा देना।

वित्तीय विनियमन और सुधार के प्रयास जी–20 के फोकस का एक और महत्वपूर्ण पहलू हैं–जी–20 का उद्देश्य वित्तीय विनियमन को मजबूत करना और जोखिमों को कम करने और भविष्य के वित्तीय संकटों को रोकने के लिए निरीक्षण करना है। इसमें वित्तीय प्रणालियों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना शामिल है, जोखिम प्रबंधन प्रथाओं में सुधार, और नियामक को संबोधित करना अंतराल– इस संबंध में जी–20 के प्रयास एक अधिक लचीला और मजबूत वित्तीय प्रणाली बनाने की कोशिश करते हैं जो झटकों का सामना कर सके और वैश्विक बाजारों की स्थिरता सुनिश्चित कर सके।

इसके अलावा, जी–20 आर्थिक संकटों के प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है– वित्तीय उथल–पुथल या आर्थिक मंदी के समय, जी–20 बाजारों को स्थिर करने और विश्वास बहाल करने के लिए समन्वित प्रतिक्रियाओं की सुविधा प्रदान करता है– इसमें राजकोषीय प्रोत्साहन पैकेज, मौद्रिक सहजता, और तरलता जैसे नीतिगत उपायों को लागू करना शामिल है संकट के प्रभाव को कम करने और आर्थिक सुधार का समर्थन करने के लिए समर्थन आर्थिक शासन और वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देकर, जी–20 सदस्य देशों और वैश्विक वित्तीय समुदाय के बीच विश्वास बनाने में योगदान देता है

व्यापक आर्थिक समन्वय में संगठन के प्रयास, वित्तीय विनियमन, और संकट प्रबंधन एक ऐसा वातावरण बनाने में मदद करता है जो निवेश को बढ़ावा देता है, आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है, और कम करता है प्रणालीगत जोखिमों की संभावना।।

वित्तीय विनियमन और सुधार के प्रयास

वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने और प्रणालीगत जोखिमों को कम करने में वित्तीय विनियमन और सुधार के प्रयास जी–20 के एजेंडे के महत्वपूर्ण घटक हैं। जी–20 वित्तीय संकटों को रोकने और वैश्विक वित्तीय प्रणालियों की अखंडता की रक्षा के लिए मजबूत नियामक ढांचे और निरीक्षण के महत्व को पहचानता है।

जी–20 के वित्तीय विनियमन और सुधार प्रयासों के प्रमुख पहलू हैं–

नियामक ढांचे को मजबूत करना– जी–20 का उद्देश्य 2008 के वित्तीय संकट के दौरान सामने आई कमजोरियों को दूर करने के लिए वित्तीय नियमों को बढ़ाना है। इसमें बैंकों के लिए पूंजी और तरलता आवश्यकताओं को मजबूत करने, जोखिम प्रबंधन प्रथाओं में सुधार करने और वित्तीय संस्थानों की लचीलापन बढ़ाने के उपायों को लागू करना शामिल है। जी–20 का उद्देश्य एक अधिक लचीला और अच्छी तरह से विनियमित वित्तीय प्रणाली स्थापित करना है जो झटकों का बेहतर ढंग से सामना कर सके और निवेशकों और उपभोक्ताओं की रक्षा कर सके।

पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना– वित्तीय बाजारों में विश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है। जी–20 वित्तीय लेन–देन, प्रकटीकरण और रिपोर्टिंग में अधिक पारदर्शिता को बढ़ावा देता है। यह नियामकों के बीच सूचनाओं के आदान–प्रदान में वृद्धि की वकालत करता है और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानकों जैसे वैश्विक मानकों को अपनाने को प्रोत्साहित करता है। पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाकर, जी–20 धोखाधड़ी गतिविधियों को रोकने, बाजार में हेरफेर को कम करने और निष्पक्ष और कुशल वित्तीय बाजारों को सुनिश्चित करने का प्रयास करता है।

प्रणालीगत जोखिमों को संबोधित करना– जी–20 उन प्रणालीगत जोखिमों की पहचान करने और उन्हें संबोधित करने के महत्व को पहचानता है जो वित्तीय प्रणालियों को अस्थिर कर सकते हैं। यह समष्टि–विवेकपूर्ण नीतियों के कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करता है, जो संपूर्ण वित्तीय प्रणाली में जोखिमों की निगरानी और उन्हें कम करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। जी–20 व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण वित्तीय संस्थानों (एसआईएफआई) की पहचान करने के प्रयासों का समर्थन करता है और संकट की स्थिति में उनके व्यवस्थित समाधान को सुनिश्चित करने के लिए समाधान ढांचे को विकसित करता है, जिससे संक्रमण और स्पिलओवर प्रभाव की संभावना कम हो जाती है।

सीमा–पार सहयोग और विनियामक संगति– वित्तीय बाजारों की वैश्विक प्रकृति को देखते हुए, जी–20 सीमा–पार सहयोग और नियामक स्थिरता की आवश्यकता पर बल देता है। यह नियामकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है और नियामक मध्यस्थता को रोकने और एक स्तरीय खेल मैदान सुनिश्चित करने के लिए अधिकार क्षेत्र में नियामक मानकों के संरेखण को प्रोत्साहित करता है। जी–20 विश्व स्तर पर सुसंगत नियामक मानकों को विकसित करने में वित्तीय स्थिरता बोर्ड और बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानक–सेटिंग निकायों के काम का समर्थन करता है।

फिनटेक और डिजिटल इनोवेशन– जी–20 वित्तीय क्षेत्र में वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) और डिजिटल नवाचार के परिवर्तनकारी प्रभाव को पहचानता है। यह वित्तीय स्थिरता की सुरक्षा करते हुए नवाचार को बढ़ावा देने वाले जिम्मेदार नवाचार, उपभोक्ता संरक्षण और नियामक ढांचे को बढ़ावा देता है। जी–20 नियामकों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करता है ताकि क्रिप्टोकरेंसी, ब्लॉकचेन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों और अवसरों का समाधान किया जा सके।

अपने वित्तीय विनियमन और सुधार प्रयासों के माध्यम से, जी–20 का उद्देश्य एक लचीला, पारदर्शी और अच्छी तरह से विनियमित वैश्विक वित्तीय प्रणाली बनाना है। विनियामक ढांचे को मजबूत करने, पारदर्शिता बढ़ाने, प्रणालीगत जोखिमों को दूर करने, सीमा पार सहयोग को बढ़ावा देने और तकनीकी प्रगति को अपनाने के द्वारा, जी–20 कमजोरियों को कम करने और एक सतत विकसित वित्तीय परिदृश्य में वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।

नागरिक समाज और गैर सरकारी संगठनों की भागीदारी

जी–20 प्रक्रिया में नागरिक समाज और गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) की भागीदारी समावेशिता, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण पहलू है। जी–20 नीतियों को आकार देने, वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और दुनिया भर में लोगों की भलाई सुनिश्चित करने में नागरिक समाज और गैर सरकारी संगठनों के बहुमूल्य योगदान को मान्यता देता है। यहां उनकी भागीदारी के प्रमुख पहलू हैं

जुड़ाव और संवाद–जी–20 नागरिक समाज और गैर सरकारी संगठनों को सदस्य देशों के साथ बातचीत में शामिल होने का अवसर प्रदान करता है। विभिन्न तंत्र, जैसे परामर्श, संवाद और हितधारक कार्यक्रम, नागरिक समाज संगठनों को अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करने, विशेषज्ञता साझा करने और नीतिगत मुद्दों पर सिफारिशें प्रदान करने की अनुमति देते हैं। यह जुड़ाव अधिक समावेशी और भागीदारीपूर्ण निर्णय लेने की प्रक्रिया को बढ़ावा देता है।

नीति समर्थन– नागरिक समाज संगठन और गैर–सरकारी संगठन उन नीतियों की वकालत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जो उनके मिशनों और उनके द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले समुदायों के हितों के साथ संरेखित होती हैं। वे बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं और गरीबी, असमानता, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक न्याय जैसे वैश्विक मुद्दों को दबाने के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं। जी–20 के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर, नागरिक समाज संगठन नीतिगत चर्चाओं को प्रभावित कर सकते हैं और उन नीतियों को बढ़ावा दे सकते हैं जो लोगों और ग्रह की भलाई को प्राथमिकता देती हैं।

जवाबदेही और पारदर्शिता– नागरिक समाज संगठन और एनजीओ जी–20 को उसकी प्रतिबद्धताओं और कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराते हैं। वे जी–20 नीतियों और पहलों के कार्यान्वयन की निगरानी और मूल्यांकन करते हैं, स्वतंत्र विश्लेषण प्रदान करते हैं, और जब आवश्यक हो तो चिंताएँ उठाते हैं। उनकी भागीदारी पारदर्शिता को बढ़ावा देती है और यह सुनिश्चित करती है कि जी–20 अपने उद्देश्यों और वैश्विक समुदाय की अपेक्षाओं के प्रति जवाबदेह बना रहे।

विशेषज्ञता और अनुसंधान– नागरिक समाज संगठनों और गैर सरकारी संगठनों के पास अक्सर विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर विशेष ज्ञान और विशेषज्ञता होती है। वे अनुसंधान करते हैं, डेटा एकत्र करते हैं, और जी–20 प्रक्रिया के लिए साक्ष्य–आधारित सिफारिशों में योगदान करने के लिए रुझानों का विश्लेषण करते हैं। उनकी विशेषज्ञता नीतिगत चर्चाओं को समृद्ध करती है और यह सुनिश्चित करने में मदद करती है कि नीतियां अच्छी तरह से सूचित, व्यापक और प्रभावी हैं।
साझेदारी और सहयोग–जी–20 नागरिक समाज संगठनों और गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी और सहयोग के महत्व को पहचानता है। ये सहयोग संयुक्त परियोजनाओं, पहलों और ज्ञान–साझाकरण प्लेटफार्मों का रूप ले सकते हैं। एक साथ काम करके, जी–20 और नागरिक समाज संगठन जटिल वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक दूसरे की ताकत, संसाधनों और नेटवर्क का लाभ उठा सकते हैं।

निष्कर्ष

अंत में, जी–20 वर्तमान संदर्भ में वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने, आर्थिक शासन को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक मंच के रूप में, यह आर्थिक संकट, व्यापार और निवेश, सतत विकास और वित्तीय स्थिरता सहित दबाव वाले मुद्दों पर संवाद, समन्वय और सामूहिक कार्रवाई की सुविधा प्रदान करता है।

जी–20 का महत्व विविध दृष्टिकोणों और हितों को एक साथ लाने की क्षमता में निहित है, जिससे वैश्विक आर्थिक शासन के लिए अधिक समावेशी और व्यापक दृष्टिकोण की अनुमति मिलती है। यह नागरिक समाज और गैर–सरकारी संगठनों के साथ सहयोग के महत्व को पहचानता है, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व सुनिश्चित करता है, और आवाजों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करता है।

संकट प्रबंधन, व्यापार उदारीकरण, सतत विकास, वित्तीय विनियमन और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के अपने प्रयासों के माध्यम से जी–20 अधिक स्थिर, टिकाऊ और न्यायसंगत वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान देता है। इसके कार्यों और नीतियों के दूरगामी प्रभाव हैं, जो दुनिया भर के व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों की भलाई को प्रभावित करते हैं।

आगे देखते हुए, तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक परिदृश्य में जी–20 के सामने नई चुनौतियां और अवसर हैं। अनुकूलन, नवाचार और सहयोग को प्राथमिकता देना जारी रखते हुए, जी–20 सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरक शक्ति के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत कर सकता है। सामूहिक प्रयासों के माध्यम से, सदस्य देश उभरते हुए मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित कर सकते हैं, समावेशी विकास को बढ़ावा दे सकते हैं और सभी के लिए अधिक समृद्ध और टिकाऊ भविष्य बना सकते हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

[1] बर्टश, वी., और रिटबर्गर, बी. (एड्स।)। (2021)। जी–20 शिखर सम्मेलन 10 बजे– एक वैश्विक नेतृत्व परीक्षण। स्प्रिंगर।
[2] रुलैंड, जे। (2021)। जी–20 के लिए एक नई भूमिका– प्रभावी और वैध वैश्विक आर्थिक शासन की ओर। वैश्विक नीति, 12(एस1), 104–113।
[3] लैंडलर, एम।, और ग्रिनबाम, एम.एम. (2020)। कूटनीति की शक्ति– एक महत्वपूर्ण मोड़ पर जी20। इंटरनेशनल अफेयर्स, 96(4), 979–998।
[4] वाट, पी. ए., और फेथफुल, ए. (एड्स।)। (2019)। जी–20 की पालग्रेव हैंडबुक। पालग्रेव मैकमिलन।
[5] कूपर, ए.एफ., और शेफर, जे. (एड्स।)। (2016)। इनोवेटिंग ग्लोबल इकोनॉमिक गवर्नेंसरू द जी20 एंड द फ्यूचर ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक ऑर्गनाइजेशन। पालग्रेव मैकमिलन।
[6] किर्टन, जे.जे., और लारियोनोवा, एम. (एड्स।)। (2015)। मेकिंग ग्लोबल इकोनॉमिक गवर्नेंस इफेक्टिवरू हार्ड एंड सॉफ्ट लॉ इंस्टीट्यूशंस इन ए क्राउडेड वर्ल्ड। एशगेट प्रकाशन।
[7] स्टाइल्स, के। (2013)। जी–20 विकास, अंतर्संबंध, दस्तावेजीकरण। संसद का पुस्तकालय।
[8] लेग्रेन, पी। (2011)। आफ्टरशॉक– संकट के बाद विश्व अर्थव्यवस्था को फिर से आकार देना। लिटिल, ब्राउन बुक ग्रुप।